

रहे हैं। अप्राची सं. 1 लया. 11 ने प्रार्थी की कृषि भूमि का कोट
बढ़ाकर उसमें से रास्ता निकालने की कोशिश की तो प्रार्थी के मना
करने पर प्रार्थी को मारने पर आमादा हो रहे हैं। प्रार्थी से बोला की
हम तो आपकी खसरा सं. 358 वाली भूमि में से ही रास्ता की
दम लेंगे। अतः श्रीमान से निवेदन है कि प्रार्थी की कृषि भूमि खाता
सं० नया 40 पुराना 41 वाके ग्राम डोग पटवार मण्डल डोग तह०
तालुका बाबत अप्राचीगण को इस आशय की अस्थायी निषेधाज्ञा से
ताफैसला मूलवाद पाबन्द किया जावे कि वे प्रार्थी की कृषि भूमि खाता
सं० नया 40 पुराना 41 वाके ग्राम डोग पटवार मण्डल डोग तह०
तालुका के ख.सं. 358 के पश्चिमी दिशा पर जबरन रास्ता नहीं
निकाले, प्रार्थी को कृषि कार्य करने से नहीं रोके, प्रार्थी को बेदखल
नहीं करे, भौतिक स्थिति में परिवर्तन नहीं करे उक्त कार्य ना तो स्वयं
करे ना अन्य से करावें।

बहस उभयपक्ष पर मन्न करने एवं पत्रावली पर उपलब्ध रेकार्ड
का अवलोकन करने पर हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि प्रार्थी वाद
वर्गित आराजी पर 1/4 हिस्से का खातेदार है किन्तु प्रार्थी द्वारा
न्यायालय के समक्ष प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों के अतिरिक्त ऐसा
कोई साक्ष्य रास्ता बाबत पेश नहीं किया गया जो यह प्रमाणित करे
कि रास्ता किस जगह बना हुआ है एवं कब से ऐसी स्थिति में
एकपक्षीय अस्पष्ट तथ्यों के आधार पर अप्राचीगण के विरुद्ध अस्थायी
निषेधाज्ञा जारी किया जाना न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। अतः
प्रार्थना पत्र प्रार्थी अस्वीकार कर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल
शुमार होकर नम्बर से कम हो। बाद तामील तकमील नियमानुसार
दाखिल दफ्तर हो।

५५